

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1279
उत्तर देने की तारीख 19.09.2020

प्रधानमंत्री नवोन्मेषी अधिगम कार्यक्रम

† 1279. श्रीमती गीताबेन वी० राठवा:

श्री जॉन बर्ला:

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) प्रधान मंत्री नवोन्मेषी अधिगम कार्यक्रम के अंतर्गत किन क्षेत्रों में बच्चों की प्रतिभाओं का संवर्धन किया जा रहा है;
- (ख) उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक कितने बच्चों का चयन किया गया है;
- (ग) किन कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए यह कार्यक्रम लाभदायक रहा है तथा क्या सरकार का इस कार्यक्रम के अंतर्गत और क्षेत्रों को शामिल करने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (घ) इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों का चयन करने के क्या मानदंड है; और
- (ङ) उक्त कार्यक्रम की अवधि का ब्यौरा क्या है तथा इस कार्यक्रम के अंतर्गत किन क्रिया-कलापों को शामिल किया गया है?

उत्तर
शिक्षा मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) से (ङ) सरकार ने देश भर से चुनिंदा प्रतिभाशाली बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2019 में प्रधान मंत्री नवाचार अधिगम कार्यक्रम-ध्रुव का शुभारंभ किया था। मेधावी और प्रतिभाशाली छात्रों को अपना कौशल और ज्ञान समृद्ध करने के लिए विज्ञान और निष्पादन कला में परामर्श दिया गया था ताकि वे अपनी पूरी क्षमता को समझ सकें और समाज में योगदान कर सकें। इस कार्यक्रम के तहत कक्षा 9 से 12 तक विज्ञान समूह के 30 छात्रों और निष्पादन कला समूह के 30 छात्रों का चयन किया गया है।

छात्रों का चयन विभिन्न प्रतियोगिताओं / परीक्षाओं अर्थात् राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (एनटीएसई), इनोवेशन इन साइंस परसूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च (इंस्पायर) - मानक, किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई), साइंस ओलंपियाड, गणित ओलंपियाड, कला उत्सव और सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना आदि में सराहनीय प्रदर्शन के आधार पर किया गया था। उनका चयन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग तथा राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), सांस्कृतिक संसाधन और

प्रशिक्षण केन्द्र (सीसीआरटी) तथा संगीत नाटक अकादमी, संस्कृति मंत्रालय के परामर्श से प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार की अध्यक्षता में गठित सलाहकार समिति द्वारा किया गया था।

चौदह दिनों के कार्यक्रम के दौरान विज्ञान समूह के छात्रों को कार्बन पृथकीकरण, छोटे पैमाने के उपकरणों तथा किफायती पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5 आदि) सेंसरों की डिजाइन और फेब्रिकेशन पर अलग-अलग समूह-वार परियोजनाओं में आईआईटी दिल्ली के विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा परामर्श दिया गया और प्रदर्शन कला समूह के छात्रों को राष्ट्रीय बाल भवन में शास्त्रीय संगीत और नृत्य जैसी विभिन्न गतिविधियों पर सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केन्द्र एवं संगीत नाटक अकादमी आदि के विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा परामर्श दिया गया।
